**भारत सरकार**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**

**पशुपालन और डेयरी विभाग**

**लोकसभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 1434**

**दिनांक 09 दिसंबर, 2025 के लिए प्रश्न**

**पशुपालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम**

**1434. श्री जय प्रकाशः**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हरियाणा के हिसार लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पशुपालकों के लिए सरकार द्वारा नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर, टीकाकरण, पोषण प्रबंधन और वैज्ञानिक पशुपालन अभियान आयोजित किए जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सच है कि क्षेत्र के कई ग्रामीण इलाकों में पशुपालकों को उन्नत नस्लों, चारा विकास, कृत्रिम गर्भाधान और रोग नियंत्रण के बारे में समय पर जानकारी नहीं मिल रही है;

(ग) क्या सरकार हिसार में व्यापक जिला स्तरीय जागरूकता अभियान चलाने, मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की संख्या बढ़ाने तथा विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करने पर विचार कर रही है;

(घ) क्या सरकार का विचार इन कार्यक्रमों के लिए किसी विशेष बजट या विशेष योजना के अंतर्गत अतिरिक्त सहायता प्रदान करने का है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

**उत्तर**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**

**(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)**

(क) और (ख) पशुपालन राज्य का विषय है। हालांकि, टीकाकरण, पोषण प्रबंधन के संबंध में पशुपालकों में जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों (UT) के प्रयासों को संपूरित करने के लिए, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार ने जागरूकता सृजन को राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय पशुधन

मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम जैसी योजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाया है। ये कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

I. राष्ट्रीय गोकुल मिशन:- भारत सरकार दिसंबर 2014 से हरियाणा समेत पूरे देश में देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन पशुओं के आनुवंशिक उन्नयन और दूध उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) कार्यान्वित कर रही है। इस योजना के घटकों में से एक घटक किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन है, जिसमें प्रजनन शिविर, दूध उत्पादन प्रतियोगिता, बछड़ों-बछियों की रैली और किसान प्रशिक्षण कार्य्रकम शामिल हैं। किसानों को नवीनतम प्रजनन तकनीकें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिसमें सेक्स सॉर्टेड सीमन के साथ कृत्रिम गर्भाधान (AI), बोवाइन इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) और आनुवंशिक चयन शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रव्यापी AI कार्यक्रम के घटक के तहत किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए राज्यों को निधियां जारी की गई हैं।

II. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP):- पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (UT) में केंद्रीय क्षेत्र की योजना, पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) कार्यान्वित करके पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और पशुओं की स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य पशुओं के रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता का निर्माण, रोगों की निगरानी, प्रशिक्षण और जागरूकता, पशु चिकित्सा संबंधी अवसंरचना आदि को मजबूत करके पशुओं के स्वास्थ्य जोखिम को कम करना है। जिन मुख्य क्रियाकलापों के लिए सहायता प्रदान की जा रही है, उनमें 100% केंद्रीय सहायता के तहत खुरपका और मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) और क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF) के लिए टीकाकरण, राज्यों के प्राथमिकता प्राप्त पशु रोगों को नियंत्रित करने के लिए राज्यों को पशु रोग नियंत्रण हेतु सहायता (ASCAD)शामिल है, जिसमें बेहतर पशुपालन पद्धतियों और पशुचिकित्सा देखभाल संबंधी जागरूकता प्रशिक्षण और प्रचार के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 100% वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

III. राष्ट्रीय पशुधन मिशन: - पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार, आहार और चारा विकास संबंधी उप-मिशन के साथ केंद्रीय प्रायोजित योजना 'राष्ट्रीय पशुधन मिशन' कार्यान्वित कर रहा है। यह योजना वर्ष 2014-15 से पूरे देश में प्रचालनरत है। इस मिशन को जुलाई 2021 में पुनर्सरेखित किया गया और मार्च 2024 में संशोधित किया गया। आहार और चारा संबंधी उप-मिशन में निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

(i) गुणवत्तापूर्ण चारा बीज उत्पादन के लिए सहायता

(ii) आहार और चारे में उद्यमिता कार्यकलाप

(iii) चारा बीज प्रसंस्करण अवसंरचना (प्रसंस्करण और ग्रेडिंग इकाई/चारा बीज भंडारण गोदाम) के लिए उद्यमी तैयार करना

(iv) गैर-वन बंजर भूमि/रेंजभूमि/गैर-कृषि योग्य भूमि से चारा उत्पादन" और "वन भूमि से चारा उत्पादन"

इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR)-भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान झांसी ने 29 राज्यों के लिए चारा अनुसंधान विकास योजना तैयार की है, जिन्हें कार्यन्वयन हेतु इन राज्यों को परिचालित किया गया है।

इसके अलावा, हरियाणा सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हिसार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 166 पशुपालकों को ब्लॉक स्तर के पशु चिकित्सा अस्पतालों में डेयरी/सूअर पालन/भेड़/बकरी संबंधी 11 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है और पशु चिकित्सा संस्थाओं में कुल 178 इनफर्टिलिटी-स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) ने पशुपालन सहित कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नई प्रौद्योगिकियों का प्रसार करने के लिए हिसार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तीन कृषि विज्ञान केंद्र (KVK)-हिसार, भिवानी और जींद ज़िलों के KVK भी स्थापित किए हैं। ये KVK राज्य सरकारों के विस्तार अधिकारियों और किसानों के लिए प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, प्रदर्शन और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करते हैं। अपने क्रियाकलापों के भाग के रूप में, KVK किसानों, कृषि करने वाली महिलाओं और गांव के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं तथा खेती और उससे जुड़े क्षेत्रों के अलग-अलग पहलुओं पर अलग-अलग विस्तार क्रियाकलाप आयोजित करते हैं।

इसके अलावा, भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने पशुपालकों के लिए सामान्य सेवा केंद्रों (CSC) के ज़रिए दो वर्चुअल जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं, जिनके तहत वर्तमान वर्ष 2025-26 के दौरान हरियाणा के हिसार ज़िले में 66 कैंप लगाए गए हैं।

(ग) से (ङ) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) योजना के पशु चिकित्सालयों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण - मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (ESVHD-MVU) घटक के तहत, वर्तमान में हरियाणा राज्य में 70 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (MVUs) प्रचालनरत हैं। इसके अलावा, प्रशिक्षण के उद्देश्य के लिए पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम योजना के तहत पशु रोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (ASCAD) घटक में राज्य सरकार को प्रतिवर्ष निधियां जारी की जाती हैं।

*****